संपादकीय

किसानों की खुशहाली का कारगर रोडमैप

नये वर्ष 2019 की शुरुआत से ही देश की अर्थव्यवस्था के परिदृदृश्य पर किसानों की कर्ज मुक्ति और विभिन्न उपहारों के लिए बड़े-बड़े प्रावधान दिखाई देने की संभावनाओं से कृषि और किसानों की खुशहाली दिखाई देगी। केन्द्र सरकार लघु एवं सीमांत किसानों की आय में कुछ बढ़ोतरी करने की नई योजना भी ला सकती है। तीन राज्यों में किसानों की कर्ज माफी के वचन से कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद अन्य प्रदेशों की सरकारों और केन्द्र सरकार पर भी किसानों के कर्ज को माफ करने का दबाव बना है। वर्ष 2019 में नीति आयोग के द्वारा कृषि अर्थव्यवस्था की हालत सुधारने के लिए जो न्यू इंडिया रणनीति जारी की गई है, उसके कार्यान्वयन से कृषि और किसान लाभांवित होंगे। निश्चित रूप से आवश्यक वस्तु अधिनियम को नरम करने, अनुबंध खेती को बढ़ावा देने, बेहतर मूल्य के लिए वायदा कारोबार को प्रोत्साहन देने, कृषि उपज की नीलामी के लिए न्यूनतम आरक्षित मूल्य लागू करने, शीतगृहों के निर्माण में वित्तीय सहायता देने जैसे कदमों से कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

वर्ष 2019 से नई कृषि निर्यात नीति लागू होने से किसानों व कृषि क्षेत्र को काफी लाभ होंगे। इसके तहत कृषि निर्यात को मौजूदा 30 अरब डॉलर के मूल्य से बढ़ाकर 2022 तक 60 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाने और भारत को कृषि निर्यात से संबंधित दुनिया के 10 प्रमुख देशों में शामिल कराने का लक्ष्य रखा गया है। नई कृषि निर्यात नीति में खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, दूध, चाय, कॉफी जैसी वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने और कृषि उत्पादों के ग्लोबल ट्रेड में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने पर फोकस किया गया है। इसके अलावा कृषि इन्फ्रास्ट्रक्च सुधारने, प्रोडक्ट के मानक तय करने जैसे कदम भी बताए गए हैं। निर्यात बढ़ाने के लिए राज्य स्तर पर विशेष क्षेत्र बनाए जाएंगे और बंदरगाहों पर विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए सरकार ने 1,400 करोड़ रुपये के निवेश का प्रावधान किया है। यद्यपि कृषि निर्यात को आगामी चार वर्षों में दोगुना करने का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इस समय भारत में कृषि निर्यात की विभिन्न अनुकूलताओं के कारण इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

वर्ष 2017-18 में देश में रिकॉर्ड कृषि उत्पादन हुआ है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। भैंस के मांस, पालतू पशुओं और मोटे अनाज के मामले में भी भारत सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत का फलों और सब्जियों के उत्पादन में दुनिया में दूसरा म है। इस समय देश में 6.8 करोड़ टन गेहूं और चावल का भंडार है। यह जरूरी बफर स्टॉक के मानक से दोगुना है। चीनी का उत्पादन चालू वर्ष में 3.2 करोड़ टन होने की उम्मीद है जबकि देश में चीनी की खपत 2.5 करोड़ टन है। देश में फलों और सब्जियों का उत्पादन मूल्य 3.17 लाख करोड़ रुपए वार्षिक हो गया है।

नई कृषि निर्यात नीति में सरकार के द्वारा कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए जो विशेष प्रोत्साहन के संकेत दिए गए हैं, उनसे मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही कृषि निर्यात की प्र िया मध्य खराब होने वाले सामान, बाजार पर नजर रखने के लिए संस्थापक व्यवस्था और साफ-सफाई के मसले पर ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। निर्यात किए जाने वाले कृषि जिंसों के उत्पादन व घरेलू दाम में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए कम अवधि के लक्ष्यों तथा किसानों को मूल्य समर्थन मुहैया कराने और घरेलू उद्योग को संरक्षण दिया जा सकेगा। साथ ही कृषि निर्यात को प्रोत्साहनों के द्वारा राज्यों की कृषि निर्यात में ज्यादा भागीदारी, बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स में सुधार और नए कृषि उत्पादों के विकास में शोध एवं विकास गतिविधियों पर जोर दिया जा सकेगा।

वर्ष 2019 में खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) की भी नई संभावनाएं आकार ग्रहण करेंगी। उल्लेखनीय है कि विश्व प्रसिद्ध शिकागो की अकाउंटिंग कंपनी ग्रांट थॉर्टन के द्वारा भारत में खाद्य प्रसंस्करण की चमकीली संभावनाओं पर प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट को पूरी दुनिया में गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है।

2,000 रुपये के नोटों की छपाई होगी काफी कम, सरकार और आरबीआई ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। दो साल पहले नोटबंदी के बाद जारी किया गया 2,000 रुपये का करेंसी नोट आजकल बाजार में कम ही देखने को मिल रहा है. इसे लेकर अब केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बड़ा फैसला लिया है. इस फैसले के अनुसार 2000 रुपये करेंसी नोट की छपाई 'न्यूनतम स्तर पर' पहुंच गई है. वित्त मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

2016 में हुआ था जारी

नवंबर, 2016 में केंद्र सरकार की ओर से लाई गई नोटबंदी के बाद सरकार ने 2,000 रुपये का नया नोट जारी किया था. सरकार ने आठ नवंबर 2016 को 500 और 1000 रुपये के नोटों को चलन से हटा दिया था. उसके बाद रिजर्व बैंक ने 500 के नए नोट के साथ 2,000 रुपये का भी नोट जारी किया.

यह है वजह

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रिजर्व बैंक और सरकार समय समय पर करेंसी की छपाई की मात्रा पर फैसला करते हैं. इसका फैसला चलन में मुद्रा की मौजूदगी के हिसाब से किया जाता है. जिस समय 2,000 का नोट जारी किया गया था तभी यह फैसला किया गया था कि धीरे-धीरे इसकी छपाई को कम किया जाएगा. 2,000 के नोट को जारी करने का एकमात्र मकसद प्रणाली में तत?काल नकदी उपलब्ध कराना था. अधिकारी ने बताया कि 2,000 के नोटों की छपाई काफी कम कर दी गई है. 2000 के नोटों की छपाई को न्यूनतम स्तर पर लाने का फैसला किया गया है।

गोएयर लाया धमाकेदार ऑफर: 1,199 में करिये आसमान की सैर

नई दिल्ली (आरएनएस)। गर आप कहीं हवाई यात्रा करने की सोच रहे हैं, लेकिन सीमित बजट के कारण ऐसा कर नहीं पा रहे हैं, तो गोएयर कंपनी आपके लिए एक खास तोहफा लेकर आई है। जी हां, अब आप महज 1199 रुपये में देश के विभिन्न स्थानों की हवाई यात्रा कर सकेंगे।

नए साल के चलते कंपनी मात्र 1,199 रुपये में विमान यात्रा की पेशकश कर रही है। हालांकि टिकटें अहमदाबाद, बेंगलुरु, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली गोवा, हैदराबाद, चंडीगढ़, रांची, लखनऊ, नागपुर, पटना, पुणे और चेन्नई की यात्रा के लिए मान्य हैं।गो एयर के फ्लाई स्मार्ट, सेव बिग ऑफर के तहत आज यानी तीन जनवरी से टिकटें बुक कराई जा सकती हैं। गोएयर की वेबसाइट के मुताबिक, यात्रा की तारीख अलग-अलग गंतव्यों के लिए अलग है।

वहीं, गोएयर थाईलैंड याच शो देखने जाने वालों के लिए भी सौगात लेकर आई है।

तेल कंपनियों का पेट्रोल, डीजल पर दी गई राहत से हुए नुकसान की भरपाई का इरादा नहीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों का कहना है कि पेट्रोल, डीजल पर दी गई एक रुपये प्रति लीटर की राहत से हुए नुकसान की भरपाई करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इस समय दोनों ईंधनों के दाम उनकी लागत के अनुरूप समान स्तर पर पहुंच गए हैं। गौरतलब है कि सूत्रों के हवाले खबर + दी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने के बाद तेल कंपनियों ने मार्केटिंग मार्जिन में की गई कटौती बंद कर दी है ताकि वह पहले ग्राहकों को दी गई राहत से हुए नुकसान की भरपाई कर सकें।

दरअसल, पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के चलते 4 अक्टूबर को जहां केंद्र सरकार ने उत्पाद शुल्क में 1.50 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, वहीं पेट्रोलियम कंपनियों से भी दोनों ईंधन पर प्रति लीटर एक रुपये की राहत देने को कहा गया था। इससे तुरंत प्रभाव से दोनों ईंधन के दाम ढाई रुपये प्रति लीटर सस्ते हो गए थे।

ऑस्ट्रेलिया में सबसे टिकाऊ बल्लेबाज बने पुजारा, द्रविड़ को छोड़ा पीछे

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में चेतेश्वर पुजारा दोहरा शतक नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने इस सीरीज में फिर साबित कर दिखाया कि टेस्ट में कैसे बल्लेबाजी होनी चाहिए. 30 साल के पुजारा मौजूदा सीरीज के चौथे और निर्णायक टेस्ट के दौरान भारत की पहली पारी में 193 रन बनाकर पवेलियन लौटे. पुजारा ने अपनी इस शानदार पारी के दौरान 373 गेंदें खेलीं और 22 चौके जड़े. इसके साथ ही उन्होंने

बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली. पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया मे 'सबसे टिकाऊ बल्लेबाज' का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.दरअसल, पुजारा ने 'दीवार' कहे जाने वाले दिग्गज राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा. ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एक सीरीज में भारतीय बलेबाज द्वारा सर्वाधिक गेंदें खेलने की बात करें, तो यह रिकॉर्ड अब पुजारा के नाम दर्ज हो गया है.पुजारा ने अब तक इस सीरीज में 1258 गेंदें खेली हैं, जबकि द्रविड़ ने 2003/04 की सीरीज में चार टेस्ट मैचों की सीरीज में 1203 गेंदें खेली थीं. तब उस सीरीज में द्रविड़ ने 619 रन बनाए थे।

तेंदुलकार ने गुरु रमाकांत आचरेकर की अर्थी को दिया कंधा

नई दिल्ली(आरएनएस)। महान भारतीय बल्लेबाज भारत रत्न सचिन तेंदुलकर और उनके दोस्त विनोद कांबली को प्रशिक्षित करने वाले आचरेकर का मुंबई में बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

आचरेकर (87) ने दादार स्थित अपने घर में शाम पांच बजे अंतिम सांस ली। आचरेकर को 2010 में पद्मश्री और वर्ष 1990 में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

क्रिकेट कोच रमाकांत आचरेकर का अंतिम संस्कार मुंबई की शिवाजी पार्क में किया गया। उनके शव के अंतिम संस्कार में सचिन तेंदुलकर भी पहुंचे और शव को कंधा भी दिया। इस दौरान सचिन काफी गमगीन दिखे।

सुपर ब्लड वुल्फ मून से पहले 6 जनवरी है सूर्य ग्रहण इसका का आपकी राशि पर कैसा होगा असर

पंडित दीपक पांडे के अनुसार हांलाकि भारत में ना दिखाई पड़ने के कारण 2019 पहले सूर्य ग्रहण का कोई खास प्रभाव नहीं होगा परंतु इसका महत्व इसलिए है क्योंकि ये नव वर्ष के पहले हफ्ते

राशियों पर कैसा होगा प्रभाव

2019 में कुल पांच ग्रहण पड़ेंगे, इनमें से तीन सूर्य ग्रहण हैं और दो चंद्र ग्रहण हैं। भारत में इनमें से केवल दो के ही दिखाई पड़ने की उम्मीद है। जिसका सिलसिला वर्ष के पहले हफ्ते में 6 जनवरी को लगने वाले आंशिक सूर्यग्रहण से आरंभ हो जायेगा। क्योंकि ये प्रथम सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा इसलिए इसका आपकी राशियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। साल में कुल तीन सूर्य ग्रहण लगेंगे। इनमें से 6 जनवरी के बाद 3 जुलाई को दूसरा और तीसरा सूर्य ग्रहण साल के अंतिम सप्ताह में 26 दिसंबर को लगेगा।

कुछ रोचक तथ्य

पहली बात तो ये है कि इस बार साल का आगाज और अंत दोनों सूर्य ग्रहण के साथ होगा। जहां पहला सूर्य ग्रहण पहले ही हफ्ते में नजर आ जायेगा बवहीं अंतिम ग्रहण अंतिम हफ्ते में होगा। इसके साथ ही आप इस आंशिक सूर्य ग्रहण को भारत में नहीं देख सकेंगे। ये ग्रहण उत्तर-पूर्वी एशिया और उत्तरी पैसिफिक देशों यानि जापान, कोरिया, मंगोलिया, ताइवान और रूस व चीन के पूर्वी छोर के साथ अमेरिका के पश्चिमी हिस्से में दिखेगा। भारतीय समयानुसार ग्रहण सुबह 5.04 बजे पर शुरू होगा और 9.18 बजे खत्म होगा। साथ ही ज्योतिष के अनुसार एक वर्ष में न्यूनतम 2 और अधिकतम 7 ग्रहण हो सकते हैं जिनमें से यदि दो ही ग्रहण पड़ रहे हैं तो एक सूर्य और चंद्र ही होगा दो के दो ग्रहण केवल चंद्र या केवल सूर्य पर नहीं हो सकते।

केवल एक सूर्य ग्रहण दिखेगा भारत में

पहला सूर्य ग्रहण छह जनवरी को पड़ने आंशिक सूर्य ग्रहण है और ये भारत में नहीं दिखेगा। इसके पश्चात दो और तीन जुलाई के बीच की रात को पूर्ण सूर्यग्रहण लगेगा। क्योंकि भारत में उस वक्त रात का समय होगा इसके चलते ये भी यहां दिखाई नहीं देगा। तीसरा और अंतिम वलयाकार सूर्यग्रहण होगा जो 26 दिसंबर 2019 को होगा। इसे भारत में देखा जा सकेगा।

मार्च तक वसूल होंगे बैंकों के 1.5 लाख करोड़

नई दिल्ली(आरएनएस)। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा है कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा 66 मामलों का निपटान किए जाने से बैंक अपने करीब 80 हजार करोड़ रुपये के पुराने फंसे कर्ज की वसूली कर पाए हैं। जेटली ने कहा कि इसके अलावा मार्च अंत तक बैंकों को 70 हजार करोड़ रुपये की और प्राप्ति हो सकती है।

यानी, मार्च 2019 तक एनसीएलटी के जरिए कुल कर्ज वसूली की रकम 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी।

वित्त मंत्री ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कॉर्पोरेट बैंकरप्ट्सी मामलों के निपटान में वह पुरानी प्रणाली की विरासत छोड़ गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने गैर-निष्पादित संपत्तियों (एनपीए) की वसूली की दिशा में तेजी से कार्रवाई की और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) भी बनाई

वित्त मंत्री ने बताया कि एनसीएलटी ने कॉर्पोरेट बैंकरप्ट्सी केस 2016 के अंत से लेना शुरू किए और अभी तक उसने 1,322 मामले सुनवाई के लिए स्वीकार किए हैं। उन्होंने बताया कि 4,452 मामले ऐसे रहे जिनका निपटान इन्हें एनसीएलटी द्वारा सुनवाई के लिए स्वीकार किए जाने से पहले ही हो गया।

आज का राशिफल

मेषः- गणेशजी कहते हैं कि आपका दिन आध्यात्मिक दृष्टि से अनूठी अनुभूति करानेवाला रहेगा। आपको गूढ़ और रहस्यमय विद्याओं तथा संबंधित बातों का विशेष आकर्षण रहेगा। आज आध्यात्मिक सिद्धि मिलने का भी योग हैं।

वृषभः- गणेशजी के आशीर्वाद से आज आपको गृहस्थजीवन में सुख का अनुभव होगा। परिजन तथा स्नेहीजनों के साथ प्रसन्न वातावरण में भोजन का आनंद ले सकेंगे, साथ में छोटे प्रवास का आयोजन भी कर सकेंगे।

मिथुनः- गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायी है। घर में शांति और आनंद का वातावरण बना रहेगा। आपके अधूरे कार्य संपन्न होंगे इससे आपको यश और कीर्ति मिलेगी।

कर्कः- आज का दिन शांतिपूर्वक बिताने के लिए गणेशजी सलाह देते हैं। आज आपका शारीरिक तथा मानसिक आरोग्य कुछ खराब रह सकता है। शारीरिक रूप से पेट की पीड़ा हो सकती है और मानसिक रूप से चिंता, उद्वेग सता सकते हैं।

सिंहः- आज आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा मानसिक रूप से व्याकुल रह सकते हैं। घर में स्वजनों के साथ गलतफहमी से मन उदास रह सकता है। माता के साथ मनमुटाव से बचें तथा स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्याः- किसी भी कार्य में सोच समझकर आगे बढ़ने के लिए गणेशजी कह रहे हैं। भाई-बहनों के साथ प्यारभरा संबंध बना रहेगा। मित्रों, स्वजनों के साथ मुलाकात होगी।

तुलाः- गणेशजी कहते हैं कि आज आपका मनोबल कमजोर रह सकता है। इसलिए कोई निर्णय लेने में परेशानी हो सकती है। नए कार्य तथा महत्वपूर्ण निर्णय आज न लें। परिजनों के साथ वाद-विवाद न हो इसलिए वाणी पर संयम रखें।

वृश्चिकः- आज का दिन आपके लिए शुभ है। शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आनंदपूर्वक समय बिताएंगे। स्वजनों से भेंट या उपहार मिल सकता है।

धनुः- आज का दिन कुछ कष्टदायक हो सकता है। परिजनों के साथ मनमुटाव से बचें। स्वभाव में उग्रता तथा आवेश होने के कारण किसी से विवाद न हो इस बात का विशेषरूप से ध्यान रखें।

मकरः- आज सामाजिक कार्यों से आपको लाभ होगा। आज आपकी राशि में विविध क्षेत्रों से लाभ होने के योग हैं। मित्रों के साथ हुई भेंट आपके लिए लाभदायी सिद्ध होगी।

कुंभः+- आज आपका दिन अनुकूल है, ऐसा गणेशजी कहते हैं। आपका हर कार्य सरलतापूर्वक संपन्न होगा, जिस वजह से आप प्रसन्न रहेंगे।

मीनः- मन में व्याकुलता एवं अशांति के अहसास के साथ आपके दिन का प्रारंभ हो सकता है। शारीरिक रूप से आपको थकान का अनुभव हो सकता है।

कीवी फ्रूट मफिन

बच्चों के टिफिन के लिए कुछ ऐसी रेसिपी बनाना चाह रही हैं जिसे वो मजे लेकर खा सकें तो मफिन का आइडिया रहेगा बेस्ट। तो आज सीखेंगे कीवी फ्रूट मफिन की रेसिपी।

सामग्री :-

गेहूं का आटा-2 कप, दूध-1 कप, कीवी-3 कप (छिली और कटी), बेकिंग पाउडर-1 टेबलस्पून

नमक-3/4 टीस्पून, चीनी-1/3 कप, दालचीनी पाउडर -1/2 टीस्पून, अंडा-1 (हल्का फेंटा हुआ)

रिफाइन ऑयल-1/4 कप, कोकोनट-1/2 कप (कद्दूकस किया)

विधि :-

ओवन को 400 डिग्री पर प्रीहिट कर लें, फिर एक बड़े बाउल में सभी ड्राय इंग्रेडिएंट्स को एक साथ डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर इस मिक्सचर में अंडा, दूध और रिफाइंड ऑयल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इसमें कीवी डालकर फिर से अच्छी तरह मिक्स कर लें।

अब स्पून की हेल्प से इस मिक्सचर को मफिन कप में 3/4 तक डालें और 20 मिनट तक बेक कर लें।

मफिंस के ऊपर कोकोनट से गार्निश करें और सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-38

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

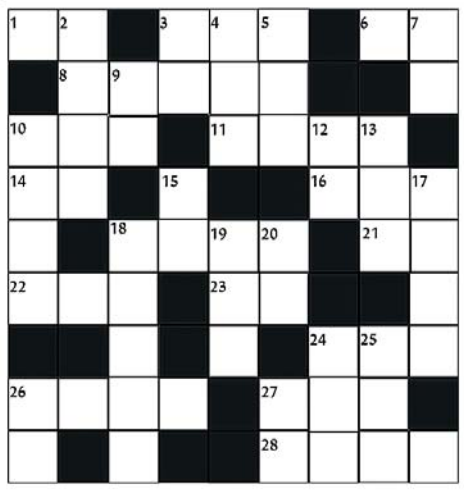

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

सू-दोकू-38

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 37 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7